

श्री राज बहादुर : सूचना एकत्रित की जा रही है और जैसे ही वह हो जायेगी उसको प्रस्तुत किया जायेगा ।

†[SHRI RAJ BAHADUR: Information is being collected and will be furnished as soon as it becomes available.]

श्री कृष्णकांत व्यास : क्या मैं यह जान सकता हूँ कि आगामी दो वर्षों में कहां कहां पोस्ट आफिस खोले जाने की व्यवस्था है ?

†[SHRI KRISHNAKANT VYAS: May I know where post offices are going to be opened in the next two years?]

श्री राज बहादुर : उनका पूरा विवरण या पूरी सूचना देना मेरे लिये सम्प्रति असम्भव है । लेकिन यह कहा जा सकता है कि हमारी यह योजना है कि दो हजार की जनसंख्या वाले गांवों में और जितने भी ग्राम समूह ऐसे हैं जिनके तीन मील के दायरे में कोई पोस्ट आफिस नहीं है, वहां नये पोस्ट आफिस खोले जायें ।

†[SHRI RAJ BAHADUR: It is impossible for me to give the details. But it may be said that our scheme is to establish new post offices in villages having a population of two thousand each and in all those village groups which have no post office within an area of three miles.]

श्री कृष्णकांत व्यास : क्या मंत्री महोदय जानते हैं कि जनसंख्या के आधार पर नये राज्यों की तुलना में मध्य भारत, डाक, तार और टेलीफोन के मामले में, काफी पीछे है ? यदि हां, तो उस कमी का क्या कारण है ?

†[SHRI KRISHNAKANT VYAS: Is the hon. Minister aware of the fact that in comparison to other new States

on population basis Madhya Bharat is very much backward in respect of posts, telegraphs and telephones? If so, what are the reasons therefor?]

श्री राज बहादुर : “ख” श्रेणी के राज्यों की लगभग यही अवस्था है ।

†[SHRI RAJ BAHADUR: The same conditions prevail in almost all the Part B States.]

भूतपूर्व सिन्धिया स्टेट रेलवे की छोटी गाड़ियों का बन्द किया जाना

*६८७. **श्री कृष्णकांत व्यास :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि रेलवे प्रशासन मध्य भारत में चलने वाली भूतपूर्व सिन्धिया स्टेट रेलवे की छोटी गाड़ियों का चलना बन्द करने जा रहा है; और यदि हां तो क्यों ;

†[DISCONTINUANCE OF NARROW-GAUGE TRAINS OF THE EX-SCINDIA STATE RAILWAY

*687. **SHRI KRISHNAKANT VYAS:** Will the Minister for RAILWAYS be pleased to state whether the Railway Administration propose to discontinue the narrow-gauge trains on the ex-Scindia State Railway in Madhya Bharat; and if so, why?]

THE DEPUTY MINISTER FOR RAILWAYS AND TRANSPORT (SHRI O. V. ALAGESAN): No, Sir.

श्री अध्यक्ष : हिन्दी में ।

†[MR. CHAIRMAN: In Hindi.]

श्री ओ० वी० अलगेसन : जी नहीं ।

†[SHRI O. V. ALAGESAN: No, Sir.]